टिप्पणी

सीखने का प्रतिफल

सैन्य इतिहास

पाठ-1 : प्राचीन भारत में युद्ध व्यवस्था

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- दो राज्यों के बीच की सीमारेखा की आवश्यकता और महत्व की व्याख्या करते हैं;
- सेना और इसकी संरचना की आवश्यकता का वर्णन करते हैं;
- विभिन्न प्रकार के प्राचीन हथियार और उनके प्रयोग की व्याख्या करते हैं;
- युद्ध के नियमों का महत्व का वर्णन करते हैं।

पाठ-2 : प्राचीन काल में सेनाएं

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- सेना के संगठन की व्याख्या कर करते हैं;
- नियमित सेना की विशेषता का वर्णन करते हैं;
- युद्ध के विभिन्न रण कौशल और युद्ध नीति की व्याख्या करते हैं।

पाठ-3 : सैन्य विशिष्टता

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- ध्वज / झंडे तथा युद्ध संगीत का महत्व का वर्णन करते हैं।
- अच्छे सैनिक की विशेषताओं का वर्णन करते हैं।

पाठ-4 : सैन्य विशिष्टता

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- मौर्य सेना की ताकत व ईकाईयों का वर्णन करते हैं;
- कलिंग युद्ध का प्रभाव की व्याख्या करते हैं;
- चाणक्य की नीतियों का वर्णन करते हैं;
- चाणक्य की प्रशासकीय ढाँचे के महत्व का वर्णन करते हैं;
- गुप्त साम्राज्य की संगठन क्षमता और परिणामों की विवेचना करते हैं।

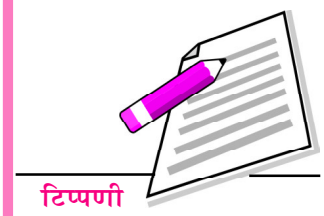

टिप्पणी

पाठ-5 : दिल्ली सल्तनत की स्थापना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- मध्यकाल में भारत में हुए बाह्य आक्रमणकारियों का प्रभावों का वर्णन करते हैं;
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना के लिए युद्धों का वर्णन करते हैं;
- मुस्लिम शासकों के प्रभाव का वर्णन करते हैं;
- दिल्ली सल्तनत के सकारात्मक बिन्दु व्याख्या करते हैं;
- दिल्ली सल्तनत का कमजोर पड़ना व उसके पतन के कारणों की व्याख्या करते हैं।

पाठ-6 : मुगलों की सैन्य पद्धति

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- मुगल साम्राज्य की स्थापना के कारणों का वर्णन करते हैं;
- मुगल सैन्य संरचना तथा हथियारों की जानकारी की व्याख्या करते हैं;
- मुगलों द्वारा प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के हथियारों का वर्णन करते हैं।

पाठ-7 : मुगल सेना और युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- मुगलों द्वारा लड़े गए युद्धों की व्याख्या करते हैं;
- मुगलों द्वारा प्रयुक्त रण कौशल और तोप बंदूक की विवेचना करते हैं;
- खानवा व चंदेरी के युद्ध व उनके परिणामों का वर्णन करते हैं।

पाठ-8 : मुगल सेना का उत्थान व पतन

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- अकबर द्वारा शुरू किए गए मनसबदारी पद्धति की व्याख्या करते हैं;
- पानीपत के द्वितीय युद्ध, हल्दी घाटी के युद्ध व इनके परिणामों की विवेचना करते हैं;
- मुगलों के पतन के कारणों का वर्णन करते हैं।

पाठ-9 : उपनिवेश युग और भारतीय सिपाही

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- भारत में उपनिवेश युग (पुर्तगाली, डच, फ्रेंच, ब्रिटिश) का इतिहास का वर्णन करते हैं;
- प्रेसीडेंसी (रियासतों या प्रदेशों में देश का विभाजन) व उनका प्रशासकीय महत्व की व्याख्या करते हैं।

टिप्पणी

- प्रेसीडेंसी की संगठन शक्ति की विवेचना कर करते हैं;
- भारतीय सेना की प्राथमिक टुकड़ी के गठन और भारतीय समाज में योद्धाओं के चयन का वर्णन करते हैं।

पाठ-10 : उपनिवेश युग में लड़े गए युद्ध

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- 1652 से 1820 तक लड़े गए युद्धों की व्याख्या करते हैं;
- इन युद्धों के कारणों का वर्णन करते हैं;
- 1652 से 1820 के मध्य लड़े गए युद्धों के कारण व प्रभाव की व्याख्या करते हैं।

पाठ-11 : 1857 की क्रांति तथा भारतीय सेना में सुधार

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- आजादी की प्रथम युद्ध क्रांति 1857 के कारण व महत्व का वर्णन करते हैं;
- भारतीय सेना में सुधार की जरूरत की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय सेना के संगठन में सुधारों की विवेचना करते हैं।

पाठ-12 : प्रथम व द्वितीय विश्वयुद्ध में भारतीय सेना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- प्रथम विश्व युद्ध के कारणों की व्याख्या करते हैं;
- प्रथम विश्व युद्ध व द्वितीय युद्ध में भारतीय सेना के योगदान की व्याख्या करते हैं;
- प्रथम विश्व युद्ध में हुए युद्धों का वर्णन करते हैं;
- द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना विक्टोरिया क्रासू विजेताओं का वर्णन करते हैं।

पाठ-13 : भारतीय सेना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता बाद भारतीय सेना में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों के बीच अंतर का वर्णन करते हैं;
- भारतीय सेना का महत्व और कार्यों की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय सेना की टुकड़ी, नियंत्रण और संगठन का वर्णन करते हैं;
- भारतीय सेना के उपकरण व हथियार का वर्णन करते हैं।

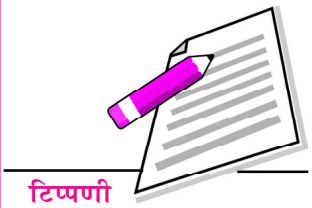

पाठ-14 : भारतीय नौसेना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- भारतीय नौसेना के उद्‌भव की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय नौसेना की जिम्मेदारी और विभिन्न कार्य प्रणाली की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय नौसेना के संगठन की विवेचना करते हैं;
- विदेशी जहाज और देशी जहाज और जहाजी बेड़ो की कार्य प्रणाली की व्याख्या करते हैं।

पाठ-15 : भारतीय वायु सेना

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- स्वतंत्रता पूर्व से भारतीय सेना उद्‌भव व ऐतिहासिक विकास की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय वायु सेना की जिम्मेदारी व कर्त्तव्यों का वर्णन करते हैं;
- एकीकृत स्थान संरचना की व्याख्या करते हैं;
- भारतीय वायु सेना (Indian Air Force - IAF) के दैनिक कार्य व शाखाओं का वर्णन करते हैं।

पाठ-16 : भारत-पाकिस्तान युद्ध (1947-1948)

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- कश्मीर समस्या के कारणों की विवेचना करते हैं;
- विभाजन पूर्व भारत की स्थिति की व्याख्या करते हैं;
- 1947-1948 के बीच हुए मुख्य युद्धों का वर्णन करते हैं;
- हैदराबाद रियासत का भारत में विलय का वर्णन करते हैं;
- स्वतंत्रता पश्चात् पुर्तगाली गोवा से आजाद गोवा बनने का ऐतिहासिक वर्णन करते हैं।

पाठ-17 : भारत-चीन युद्ध (1962)

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- भारत व चीन के मध्य पनपी समस्या की व्याख्या करते हैं;
- पूर्वी तथा पश्चिमी क्षेत्रों में आए परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं;
- चीन के साथ सीमा युद्ध में हुई हार की विवेचना करते हैं।

टिप्पणी

पाठ-18 : भारत-पाकिस्तान युद्ध (1965)

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- कच्छ रण की समस्या, घटनाऐं और परिणाम का वर्णन करते हैं;
- जम्मू व कश्मीर में हुए परिवर्तन जिनके कारण युद्ध के हालात बने की व्याख्या करते हैं;
- भारत का युद्ध के प्रति व्यवहार व परिणामों का वर्णन करते हैं;
- लाहौर एवं राजस्थान के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ हुआ झगड़ा व इसके परिणामों की व्याख्या करते हैं;
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सीजफायर (युद्ध शांत करने की पहल) के बारे में विस्तार से वर्णन करते हैं।

पाठ-19 : भारत-पाकिस्तान युद्ध (1971)

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के कारणों की व्याख्या करते हैं:
- 1971 के युद्ध के पूर्वी तथा पश्चिमी क्षेत्र में उठाए गए सैन्य कदम (Operations - ऑपरेशन) के बारे में व्याख्या करते हैं;
- युद्ध के परिणामों की व्याख्या करते हैं।

पाठ-20 : कारगिल युद्ध 1999

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- कारगिल की भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन करते हैं;
- कारगिल युद्ध के कारण की व्याख्या करते हैं;
- ऑपरेशन विजय व इसके विभिन्न काल खंडों का वर्णन करते हैं;
- भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना के महत्व की व्याख्या करते हैं;
- ऑपरेशन विजय, ऑपरेशन सफेद जगन और ऑपरेशन तलवार के बारे में व्याख्या करते हैं;
- भारतीय मीडिया द्वारा कारगिल युद्ध में दिए गए योगदान का वर्णन करते हैं।

पाठ-21 : राजद्रोह

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- आतंकवाद और राजद्रोह में अंतर करते हैं;
- नागरिक प्रतिरोध, गुरिल्ला युद्ध पद्धति और नक्सलवादी / माओवादी को परिभाषित करते हैं;

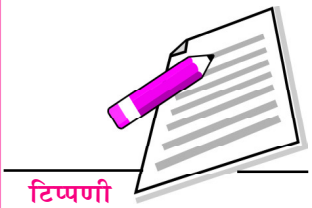

- भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में हुए राजद्रोहों का वर्णन करते हैं;
- वामपंथी कट्टरपंथ के कारण व भारत में हुए प्रभावों की व्याख्या करते हैं।
- राजद्रोह के कारणों का वर्णन करते हैं;
- राजद्रोह के दमन के लिए उठाए गए कदमों की विवेचना करते हैं।

पाठ-22 : आतंकवाद

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी:-

- आतंकवाद को परिभाषित करते हैं;
- आतंकवाद के इतिहास की व्याख्या करते हैं;
- आतंकवाद के रूपों का वर्गीकरण करते हैं;
- आतंकवादियों द्वारा प्रयुक्त युद्ध नीति को वर्णित करते हैं;
- आतंकवाद के विरुद्ध उठाए गए कदमों की विवेचना करते हैं;
- भारत में आतंकवाद के प्रभावों की व्याख्या करते हैं।